



‘चॉकलेट की तरह विश्व में फेमस हो एनएसआई से बनी मिठाइयां’

KANPUR (16 Nov): नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट को चॉकलेट की तरह गन्ने से निकलने वाले सह उत्पादों से स्पेशल मिठाइयां बनानी चाहिए, जो विश्व में फेमस हो, इसके सफल प्रयोग से विश्वस्तरीय मार्केट मिलेगा, यह बात केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के 50वें कॉन्वोकेशन में कही। वे समारोह में ऑनलाइन शामिल हुए थे, उन्होंने स्टूडेंट्स को उज्जवल भविष्य की कामना की।

एगो बिजनेस पर चले गिल्ले

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में 50 लाख हेक्टेयर जमीन पर गन्ने की खेती की जा रही है, देश की गुरा मिश्रण को एगो बिजनेस कॉम्प्लेक्स की तरह पूरे खाल चलाया जाना चाहिए, गन्ने से चीनी निकलने के बाद उससे बनने वाली सह उत्पादों से इन्वेलोप्शन पोन्क बनने चाहिए, बिस्किट पूरे साल काम की कमी न हो।

आन्सु व जलका से भी एरोनोस

केंद्रीय राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि एरोनोस बनाने पर जोर दिया जा रहा है, लोगों को जानकारी नहीं है लेकिन गन्ने के अलावा आन्सु, जलका और गैर-जल एरोनोस बनता है, अगर किसान इस क्षेत्र में काम करें तो उनकी आय बढ़ेगी, उन्होंने कहा कि डिजिटल एगोले सलाह से अगुय महोत्सव कराएगी।

विदेशों से किया सज्जीता

खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के सचिव सचिव सुनील कुमार सिंह ने कहा कि विदेशों के शुगर इंस्टीट्यूट यहां से सुझाव ले रहे हैं, कई देशों के साथ समझौता किया गया है, एनएसआई के निदेशों को, नरेंद्र मोहन ने आभार व्यक्त किया।

गुआन के नाम से बने एमारक

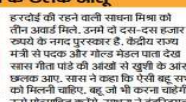
KANPUR: नरेंद्र मोहन की अध्यक्षता के उपाध्यक्ष सरदार गुरदीप सिंह छाबड़ा के नेतृत्व में सिखों का एक प्रतिनिधिमंडल राज समीची सखी निरंजन ज्योति से मिला, उन्होंने संवर्धन क्षेत्र हदरा में गुआन के नाम से एक स्मारक बनाने की मांग की, हरिद्वार पाल सिंह, परमजीत चौधरी, नीतू सिंह आदि रहे।



केंद्रीय राज्य मंत्री निरंजन ज्योति, संयुक्त सचिव सुनील सिंह व निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने स्टूडेंट को सम्मानित किया।



एलफोरेल टैन्क-बी-बी से वॉरेंट किया है, समग्र ने बताया कि पिछले साल जून में ही सीलपुनर सिक्की में शादी हुई है, कैपस प्लेसमेंट हुआ था लेकिन सख्य ठीक न होने के कारण जवाइन नहीं कर पाए, उनके पिता रामचंद्र मिश्र रोडवेज में कामचारी है।



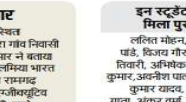
एलफोरेल टैन्क-बी-बी से वॉरेंट किया है, समग्र ने बताया कि पिछले साल जून में ही सीलपुनर सिक्की में शादी हुई है, कैपस प्लेसमेंट हुआ था लेकिन सख्य ठीक न होने के कारण जवाइन नहीं कर पाए, उनके पिता रामचंद्र मिश्र रोडवेज में कामचारी है।



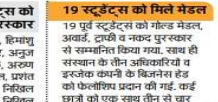
एलफोरेल टैन्क-बी-बी से वॉरेंट किया है, समग्र ने बताया कि पिछले साल जून में ही सीलपुनर सिक्की में शादी हुई है, कैपस प्लेसमेंट हुआ था लेकिन सख्य ठीक न होने के कारण जवाइन नहीं कर पाए, उनके पिता रामचंद्र मिश्र रोडवेज में कामचारी है।



महात्मा गान्धी, आर्द्धरसनीआईसी व खेती सुझावार्थ खर्च पदक दिया गया है, अब वह, एनएसआई से ही फेसलिटी करने चाहते हैं, इसके बाद शुगर की कई रेसल्टी केले विचार रहे, इस पर सोच करेंगे।



महात्मा गान्धी, आर्द्धरसनीआईसी व खेती सुझावार्थ खर्च पदक दिया गया है, अब वह, एनएसआई से ही फेसलिटी करने चाहते हैं, इसके बाद शुगर की कई रेसल्टी केले विचार रहे, इस पर सोच करेंगे।



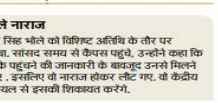
महात्मा गान्धी, आर्द्धरसनीआईसी व खेती सुझावार्थ खर्च पदक दिया गया है, अब वह, एनएसआई से ही फेसलिटी करने चाहते हैं, इसके बाद शुगर की कई रेसल्टी केले विचार रहे, इस पर सोच करेंगे।



महात्मा गान्धी, आर्द्धरसनीआईसी व खेती सुझावार्थ खर्च पदक दिया गया है, अब वह, एनएसआई से ही फेसलिटी करने चाहते हैं, इसके बाद शुगर की कई रेसल्टी केले विचार रहे, इस पर सोच करेंगे।



महात्मा गान्धी, आर्द्धरसनीआईसी व खेती सुझावार्थ खर्च पदक दिया गया है, अब वह, एनएसआई से ही फेसलिटी करने चाहते हैं, इसके बाद शुगर की कई रेसल्टी केले विचार रहे, इस पर सोच करेंगे।



महात्मा गान्धी, आर्द्धरसनीआईसी व खेती सुझावार्थ खर्च पदक दिया गया है, अब वह, एनएसआई से ही फेसलिटी करने चाहते हैं, इसके बाद शुगर की कई रेसल्टी केले विचार रहे, इस पर सोच करेंगे।

NSI passout students carry hope of sugar industry: Goyal

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

Piyush Goyal, Cabinet Minister, Ministry of Commerce and Industry, Textile and Consumer Affairs, Food and Public Distribution, while addressing the convocation of the National Sugar Institute called upon the students to work hard with full devotion and commitment to face all the challenges with courage, so that the institution and the country may take pride. He said the passouts of this prestigious institution carry hope of the sugar industry and nation, thus, an out of box thinking and pro-active approach was expected from the generation which was going to take over in the coming times. He said it would be necessary to focus on developing innovative products and converting sugar factories into Agri-business Complexes for round the year working. He said along with this, one had to keep in mind the interest of the farmers because they were the backbone of this industry.

He said the time had arrived to ensure that the sugar industries were shaped into agri-business complexes and said this comprised of integrated industries and supportive facilities like storage, insurance, transportation, distribution of food and agricultural products. He said agri-business complexes can be termed as a set of factors with interrelated activities, necessary to produce and market agricultural products. He said the success of the individual companies in the ABC was increasingly determined by the success of an ABC as a whole. He said a conceptual framework was presented for the design and development of computer aided policy support systems and the presented methodology, called PLATO (Powerful Logical Analysis Tool), was built on theory from various scientific disciplines: Operations Research, artificial intelligence, public policy theory, manage-



Minister of State, Department of Food and Public Distribution and Rural Development, Sadhvi Niranjana Jyoti takes part in NSI 50th Convocation.

ment science and social sciences.

Addressing the students Minister of State, Department of Food and Public Distribution and Rural Development, Sadhvi Niranjana Jyoti congratulated the institute for its continuous valuable service to sugar and allied industry. She said sugar industry was the back bone of rural economy and its performance had direct implication on the welfare of sugarcane farmers. She said the newer technologies and models of ethanol production duly supported by government policies had resulted into better performance of the Indian sugar industry and diminishing sugarcane price arrears.

Subhodh Kumar Singh, Joint Secretary (Sugar & Administration), congratulated the students and advised them for preparing themselves for fast changing technical scenario in the sugar industry which now looked for production of ethanol and other value added products for economic sustainability. He said currently, the continuous depletion of non-renewable resources of fuels and chemicals had promoted the research and devel-

opment of different alternatives for the replacement of fossil resources as the feedstock, of fuels and chemicals. He added that currently one of the important biofuels in the current economy, was bioethanol, contributing to 65 per cent of the total biofuels production and its production was an attractive alternative because it would be produced using indigenous and natural raw material, therefore, the socio-economic impact can be meagre with the economies incomes and increase the quality of life of small and middle farmers.

In his welcome speech, Prof. Narendra Mohan, Director, NSI expressed gratitude to the ministry for providing adequate budgetary support to up-grade the academic and research infrastructure.

He said overcoming the challenges of corona and staff constraints, the institute continued marching ahead with many significant achievements including providing academic and technical support to many sugar producing countries and all time high revenue during the financial year 2020-21.

Devendra Singh 'Bhole',

Member of Parliament, while lauding the role of National Sugar Institute in development of Indian sugar industry expressed his hope that the upcoming generation of technologists and engineers would develop innovative technologies to make sugar industry 'Atmanirbhar'.

The vote of thanks was delivered by Ashok Kumar Garg, Later Fellowships, Post Graduate Diplomas and Certificates were awarded to 450 students who passed out during academic years 2018-19 and 2019-20. Various awards and medals, Mahatma Gandhi Memorial Gold Medal, C.V. Subba Rao Gold Medal, ISGEC Gold Medal, Shree B Future Leadership Award, Praj Excellence Award and Global Cane Sugar Services Award were conferred to meritorious students. Besides these, no. of scholarships, namely, Indian Sugar Mill Association (ISMA), National Federation of Co-operative Sugar Factories (NFCSF), S.N. Gundu Rao Memorial, Dr. Kripa Shankar Memorial and Bhagwanta Devi Memorial Scholarships were awarded to top ranking students of various courses by Sadhvi Niranjana Jyoti.

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में विभिन्न पुरस्कार और पदक से मेधावी छात्रों को किया सम्मानित



कानपुर (सगर छाया समाचार)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के 50वें दीक्षांत समारोह का उद्घाटन पीपुल गेयल कैबिनेट मंत्री, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, कपड़ा और उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किया गया। साखी निरंजन ज्योति, माननीय राज्य मंत्री, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और ग्रामीण विकास विभाग, भारत सरकार इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुईं। देवेंद्र सिंह भोले, संसद सदस्य और सुबोध कुमार सिंह, संयुक्त सचिव (शर्करा और प्रशासन), भारत सरकार ने भी समारोह की शोभा बढ़ाई। इस समारोह में, वार्षिक वर्ष 2018-19 और 2019-20 के दौरान उत्तीर्ण 450 छात्रों को फेलोशिप, पोस्ट

ग्रेजुएट डिप्लोमा और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। विभिन्न पुरस्कार और पदक यथा महात्मा गांधी स्मारक स्वर्ण पदक, सी.पी. सुब्बा राव गोल्ड मेडल, आईएसजीईसी गोल्ड मेडल, जी पयुचर लीडरशिप अवार्ड, प्राइम एक्सीलेंस अवार्ड और ग्लोबल कैन्सुगर सर्विसेज अवार्ड, मेधावी छात्रों को प्रदान किए गए। इनके अलावा, इस अवसर पर कई छात्रवृत्तियां जैसे, भारतीय चीनी मिल संघ (इस्सा), नेशनल फेडरेशन ऑफ को-ऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज (एनएफसीएसएफ), एस.एन. गुंडु राव मेमोरियल, डॉ. कृपाशंकर मेमोरियल और भगवंत देवी मेमोरियल छात्रवृत्ति, विभिन्न पाठ्यक्रमों में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को, साखी निरंजन ज्योति, माननीय राज्य मंत्री, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और ग्रामीण

विकास विभाग, भारत सरकार द्वारा अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में प्रदान की गई।

अपने स्वागत भाषण में संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने अकादमिक और अनुसंधान के बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए पर्याप्त बजटीय सहायता प्रदान करने के लिए मंत्रालय का आभार व्यक्त किया। कोरोना की चुनौतियों और कर्मचारियों की कमी के पृष्ठभूमि में, कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ संस्थान अपने कदम आगे बढ़ाते रहा तथा इसी दौरान कई चीनी उत्पादक देशों को अकादमिक और तकनीकी सहायता प्रदान करने के साथ ही वित्तीय वर्ष 2020-21 में सर्वकालिक उच्चतम राजस्व अर्जित किया।

अपने संबोधन में सुबोध कुमार सिंह, संयुक्त सचिव (शर्करा और प्रशासन), भारत सरकार ने छात्रों को बधाई दी और उन्हें चीनी उद्योग में तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य के लिए खुद को तैयार करने की सलाह दी, जो आर्थिक स्थिरता के लिए अब इन्वेंट्री और अन्य मूल्य वर्धित उत्पादों के उत्पादन की तलाश में हैं।

दीक्षांत समारोह का संचालन परीक्षा नियंत्रक ब्रजेश सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद प्रस्ताव शिक्षा प्रभारी अशोक कुमार गर्ग ने किया।

MUKHYAMANTRI ABHYUDAY YOJANA CLASSES TO BENEFIT STUDENTS | 3

STUDENTS TABLET OR

Toppers capture glorious moments as NSI holds its 50th convocation

Union Min Inaugurates Event Virtually

Times News Network

Kanpur: National Sugar Institute (NSI), Kanpur on Tuesday observed its 50th Convocation ceremony in the presence of its meritorious students. Union Minister Piyush Goyal, also the chief guest of the occasion, inaugurated the convocation virtually.

Excited after receiving their degrees and medals, students expressed that they had been longing for this day for a long time, especially since the covid pandemic had brought an end to holding convocation event physically. They also posed for pictures and rejoiced with their peers. The institute had come alive due to the chirping of the students, fun and frolic.

Abhishek, Arun Kumar, Vijay Gaur, Anuj Tiwari, Nikhil Gupta, Shashank, Rishabh Singh, Sadhana Mishra, Arun Kumar Yadav, Shatughan Mahto, Manjit Kumar, Devendra Pratap Singh, Dharmendra Verma, Anar-nath, Akhil Kumar, Vivek Pratap Singh, Mahendra Pratap Singh, Sanjay Awasthi and Mahendra Kumar Yadav were some of the students who bagged the top awards from the institute's side on their convocation day.

Sadhvi Niranjani Jyoti, Minister of State, Depart-

ment of Food and Public Distribution and Rural Development, (GoD) graced the occasion as Guest of Honour. Devendra Singh Bhole, Member of Parliament, and Subhodh Kumar Singh, Joint Secretary (Sugar and Administration), also graced the function.

Fellowships, post-graduate diplomas and certificates were awarded to 450 students passed out during academic years 2018-19 and 2019-20. Various awards and medals including, Mahatma Gandhi Memorial Gold Medal, CV Subba Rao Gold Medal, ISGEC Gold Medal, Shree Ji Future Leadership Award, Praj Excellence Award and Global Cane-sugar Services Award were conferred on meritorious students.

Besides these, a number of scholarships, namely Indian Sugar Mill Association (ISMA), National Federation of Co-operative Sugar Factories (NFCSF), SN Gundu Rao Memorial, Dr Kripa Shankar Memorial and Bhagwanta Devi Memorial Scholarships were awarded to top ranking students of various courses by Sadhvi Niranjani Jyoti, in the presence of other dignitaries.

In his welcome speech, Director NSI, Professor Narendra Mohan expressed gratitude to the ministry for providing adequate budgetary support to up-grade the academic and research infrastructure. Overcoming the challenges of corona and staff constraints, the institute continued marching ahead with many significant achievements, including providing academic and technical support to many sugar producing countries and all time

high revenue during the financial year 2020-21.

While congratulating the students, Union Minister Piyush Goyal called upon the students to work hard with full devotion and commitment to face all the challenges with courage, so that the institution and the country may feel proud of them. "You carry the hope of the sugar industry and nation, thus, an out of box thinking and pro-active approach is expected from the generation going to take over," he said.

It would be necessary to focus on developing innovative products and converting sugar factories into Agri business complexes for round the year working. Along with

this, we have to keep in mind the interest of the farmers because they are the backbone of this industry," he said.

Sadhvi Niranjani Jyoti while blessing the post graduate diploma and certificate recipients, also congratulated the institute for its continuous valuable service to sugar and allied industry. Sugar industry is the back bone of rural economy and its performance has direct implication on the welfare of sugarcane farmers. The newer technologies and models of ethanol production duly supported by government policies have resulted into better performance of the Indian sugar industry and diminishing sugarcane price arrears, she added.

Devendra Singh Bhole while lauding the role of National Sugar Institute in development of Indian Sugar Industry desired that upcoming generation of technologists and engineers should develop innovative technologies to make sugar industry Atmanirbhar (self reliant).

In his address Subhodh Kumar Singh congratulated the students and advised them for preparing themselves for fast changing technological scenario in the sugar industry which now looks for production of ethanol and other value added products for economic sustainability.

The convocation ceremony was conducted by Brajesh Singh, controller of examination, while vote of thanks was proposed by Ashok Kumar Gang, education in charge.